Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

आनी कॉलेज में दिया संस्कृति के संरक्षण का संदेश

आनी कॉलेज में सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करतीं छात्राएं। स्रोत : कॉलेज प्रशासन

आनी(कुल्लू)। राजकीय महाविद्यालय आनी में बुधवार को समाजशास्त्र विभाग ने संस्कृति की विरासत, कल, आज और कल विषय पर सांस्कृतिक कार्यक्रम और प्रदर्शनी का आयोजन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. दायक राम ठाकुर ने किया। विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश कर संस्कृति के संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ समाजशास्त्र विभाग की समाजशास्त्रीय अन्वेषण सोसायटी की अध्यक्षा प्रो. सीमा के अतिथियों के स्वागत से हुआ। विद्यार्थियों ने स्थानीय त्योहारों के पारंपरिक स्वांग, लोकगीत और पारंपरिक नृत्य प्रस्तुत किए। सांस्कृतिक प्रदर्शनी विशेष आकर्षण का केंद्र रही। प्रदर्शनी में पुराने घरेलू बर्तन, पारंपरिक लोहे की वस्तुएं और अन्य पारंपरिक सामग्री प्रदर्शित की गई। इन वस्तुओं के माध्यम से पूर्वजों की जीवन शैली, सादगी, श्रमशीलता और सांस्कृतिक मूल्यों को दर्शाया गया। प्राचार्य डॉ. दायक राम ठाकुर ने अपने संबोधन में समाजशास्त्र विभाग को सफल आयोजन के लिए बधाई दी। इस मौके पर प्रो. नरेंद्र पॉल, डॉ. संगीता नेगी, प्रो. अशोक, प्रो. निर्मल, प्रो. संजय दत्त, प्रो. विजय, प्रो. पुष्पा गुलेरिया, प्रो. राधिका सहित अन्य मौजूद रहे। संवाद

Scanned with OKEN Scanner

आनी कॉलेज में संस्कृति की विरासत कल, आज व कल विषय पर सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं प्रदर्शनी

छात्रों ने पारंपरिक स्वांग, लोकगीत व लोकनृत्य किए प्रस्तुत

हिमाचल दस्तक ▮ आनी

सांस्कृतिक प्रदर्शनी रही आकर्षण का केंद्र

महाविद्यालय परिसर में लगाई गई सांस्कृतिक प्रदर्शनी विशेष आकर्षण का केंद्र रही। प्रदर्शनी में पुराने घरेलू बर्तन, पारंपरिक लोहे की वस्तुएं तथा अन्य पारंपरिक सामग्री प्रदर्शित की गई। इन वस्तुओं के माध्यम से पूर्वजों की जीवनशैली, सादगी, श्रमशीलता और सांस्कृतिक मूल्यों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया गया। प्रदर्शनी ने विद्यार्थियों को यह संदेश दिया कि हमारी विरासत ही हमारे भविष्य की आधारशिला है।

राजकीय महाविद्यालय आनी, स्थित हरिपुर में बुधवार को समाजशास्त्र विभाग द्वारा संस्कृति की विरासतः कल, आज और कल विषय पर एक गरिमामय सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. दायक राम ठाकुर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति की समृद्ध परंपराओं से जोड़ना तथा आधुनिक जीवन की आपाधापी के बीच उनकी प्रासंगिकता को समझाना रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ समाजशास्त्र विभाग की समाजशास्त्रीय अन्वेषण सोसायटी की अध्यक्ष प्रो. सीमा द्वारा अतिथियों के स्वागत भाषण से हुआ। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि संस्कृति हमारी पहचान का मूल आधार है। यह केवल परंपराओं का संग्रह नहीं, बल्कि समाज को एकता, सौहार्द और नैतिक मूल्यों से जोड़ने वाली सशक्त कड़ी है। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़े रहें और उन्हें संरक्षित रखने में सक्रिय भूमिका निभाएं। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने स्थानीय त्योहारों पर आधारित पारंपरिक स्वांग, लोकगीत और लोकनृत्य प्रस्तुत किए। प्रस्तुतियों ने उपस्थित जनसमूह को क्षेत्रीय लोक संस्कृति की जीवंत झलक दिखाई और सभागार तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। अंत में प्राचार्य डॉ. दायक राम ठाकुर ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में समाजशास्त्र विभाग को सफल आयोजन के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि संस्कृति केवल अतीत की धरोहर नहीं, बल्कि भविष्य को दिशा देने वाली शक्ति है। कार्यक्रम में प्रो. नरेंद्र पॉल, डॉ. संगीता नेगी, प्रो. अशोक, प्रो. निर्मल, प्रो. संजय दत्त, प्रो. विजय, प्रो. पुष्पा गुलेरिया, प्रो. राधिका, अधीक्षक सहित महाविद्यालय का समस्त गैर शिक्षक वर्ग, समाजशास्त्रीय अन्वेषण सोसायटी के सदस्य एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

Scanned with OKEN Scanner

MY NET TV
डिजिटल समाचार
निष्पक्ष,निर्भीक,निश्छल
Wednesday 25th February 2026 website: mynettv. online

राजकीय महाविद्यालय आनी, स्थित हरिपुर में "संस्कृति की विरासत: कल, आज और कल " विषयक सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं प्रदर्शनी का आयोजन

विनय गोस्वामी, आनी। राजकीय महाविद्यालय आनी, स्थित हरिपुर में समाजशास्त्र विभाग द्वारामंगलवार 24 फ़रवरी2026 को "संस्कृति की विरासत: कल, आज और कल " विषय पर एक गरिमामय सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।

इस गरिमामय अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. दायक राम ठाकुर ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को हमारी समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं से जोड़ना तथा आधुनिक जीवन की भागदौड़ के बीच उनकी प्रासंगिकता को समझाना था।

कार्यक्रम का शुभारंभ समाजशास्त्र विभाग की समाजशास्त्रीय अन्वेषण सोसायटी की अध्यक्षा प्रो. सीमा द्वारा अतिथियों के स्वागत से हुआ। अपने उद्बोधन में उन्होंने कहा कि संस्कृति हमारी पहचान का आधार है। यह केवल परंपरा नहीं, बल्कि समाज को एकता, सौहार्द और नैतिक मूल्यों से जोड़ने वाली सशक्त कड़ी है। उन्होंने विद्यार्थियों को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़े रहने का आह्वान किया।

कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थियों द्वारा स्थानीय त्योहारों के पारंपरिक स्वांग, लोकगीत एवं पारंपरिक नृत्य प्रस्तुत किए गए, जिन्होंने उपस्थित जनसमूह को हमारी जीवंत लोकसंस्कृति की अनुभूति करवाई।

महाविद्यालय परिसर में आयोजित सांस्कृतिक प्रदर्शनी विशेष आकर्षण का केंद्र रही। प्रदर्शनी में पुराने घरेलू बर्तन, पारंपरिक लोहे की वस्तुएँ तथा अन्य पारंपरिक सामग्री प्रदर्शित की गई। इन वस्तुओं के माध्यम से पूर्वजों की जीवन शैली, सादगी, श्रमशीलता एवं सांस्कृतिक मूल्यों को दर्शाया गया। इस प्रदर्शनी ने विद्यार्थियों को यह संदेश दिया कि हमारी विरासत ही हमारे भविष्य की आधारशिला है।

इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. दायक राम ठाकुर ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में समाजशास्त्र विभाग को सफल आयोजन के लिए बधाई देते हुए कहा कि संस्कृति केवल अतीत की धरोहर नहीं, बल्कि भविष्य को दिशा देने वाली शक्ति है। उन्होंने स्पष्ट किया कि आधुनिकता को अपनाना आवश्यक है, किंतु अपनी पारंपरिक जड़ों को विस्मृत करना उचित नहीं। हमें प्रगति और परंपरा के मध्य संतुलन स्थापित करना चाहिए।

इस अवसर पर प्रो. नरेंद्र पॉल, डॉ. संगीता नेगी, प्रो.अशोक, प्रो. निर्मल, प्रो. संजय दत्त, प्रो. विजय, प्रो. पुष्पा गुलेरिया, प्रो. राधिका, अधीक्षक सहित महाविद्यालय का समस्त गैर-शिक्षक वर्ग एवं समाजशास्त्रीय अन्वेषण सोसायटी के समस्त सदस्य एवं अन्य छात्र उपस्थित रहे।

Scanned with OKEN Scanner